Regarding production and disposal of solid waste in the country.-laid

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा **(भरूच) :** देश में बढ़ती जनसंख्या के साथ यह समस्या आम है कि उपयोग में लाई गई वस्तुओं को जब कचरे में बदला जाता है तो फिर उसका क्या होता है । भारत में घर, कारोबार, उद्योग, संस्थाओं और कृषि से निकलने वाले बेकार या अवांछित ठोस पदार्थों को अपशिष्ट कहा जाता है । भारत में सालाना 6 करोड़, 20 लाख टन कचरा उत्पन्न होता है । इसमें प्लास्टिक और चिकित्सकीय कचरा भी शामिल है । भारत वर्तमान में स्वच्छ भारत मिशन के हिस्से के रूप में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर लगभग 7366 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है । देश भर में अपशिष्ट प्रबंधन पहल के लिए आवंटित समग्र कार्यक्रम बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । अनुमान के मुताबिक भारत द्वारा अपनाई गई चक्रीय अर्थव्यवस्था से 40 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक लाभ हो सकता है । ऐसे में सरकार से मेरा आग्रह है कि ठोस अपशिष्ट के उत्पादन और निपटान में संतुलन स्थापित करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाने चाहिए ।